दिनांक: 23.08.2026

प्रेस विज्ञप्ति

संगीत और ग़ज़ल की सुरमयी शाम में डूबा कानपुर, “महफ़िल-ए-ग़ज़ल” ने बांधा समां

मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक समिति द्वारा सर पदमपत सिंघानिया सभागार में विशेष संगीतमय कार्यक्रम ‘महफ़िल-ए-ग़ज़ल’ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय ग़ज़ल गायकों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति के चेयरमैन श्री स्वतंत्र सिंह द्वारा किया गया |

इस सुरमयी संध्या में राष्ट्रपति माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कर-कमलों से केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात ग़ज़ल गायक एवं संगीतकार ‘गुरु युगान्तर सिंदूर की गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्री गुरु युगान्तर सिंदूर का स्वागत एवं अभिनंदन चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आई. एम. रोहतगी, सांस्कृतिक समिति के वाइस-चेयरमैन श्री विमल झाझरिया एवं काउंसिल सदस्य श्री विजय पाण्डेय द्वारा स्मृति-चिह्न भेंट कर, शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर किया गया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, एस.डी.एम. (उन्नाव) रहे, जिनका स्वागत चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आई. एम. रोहतगी एवं चैम्बर के काउंसिल सदस्य श्री श्याम मेहरोत्रा द्वारा शॉल ओढ़ाकर एवं मोतियों की माला पहनाकर किया गया। श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने किशोर कुमार के गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर लिया | साथ ही उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि संगीत और ग़ज़ल भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं तथा ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को हमारी समृद्ध संगीत परंपरा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गायन प्रस्तुतियों में सर्वश्री प्रदीप श्रीवास्तव, श्वेता श्रीवास्तव, संजय स्वर्णकार, कपिल शर्मा, मनीषा सिंह राजावत, दुर्गेश, पूजा भदौरिया तथा योगेश भदौरिया ने अपनी मधुर आवाज़ और प्रभावशाली गायन से श्रोताओं का मन मोह लिया। गायन के साथ तबले पर हरीश झा एवं शुभम वर्मा, पियानो एवं कीबोर्ड पर समीर सचान तथा वायलिन पर देवानंद पाठक ने अपनी शानदार संगत से प्रस्तुतियों को और भी प्रभावशाली बना दिया। कलाकारों ने ‘तुम ये कैसे जुदा हो गए, ‘हमको किसके ग़म ने मारा, ‘आज जाने की ज़िद न करो, ‘एक तरफ़ उसका घर, एक तरफ़ मयकदा’और ‘ये शोहरत भी ले लो’, सहित अनेक लोकप्रिय ग़ज़लों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों पर सभागार बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।
पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रोताओं की उत्साही सहभागिता देखने को मिली। कानपुर शहर के उद्योग, व्यापार, शिक्षा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सर्वश्री गुलशन धूपर, डॉ ए.एस. प्रसाद, ईश्वर सिंह वर्मा, योगेश दुबे, अजीत ठाकुर, आदेश टंडन, डॉ जय प्रकाश तथा मर्चेंट्स चैम्बर के सदस्यगण तथा कानपुर के गणमान्य नागरिक सपरिवार उपस्थित रहे |